सीएसआईआर-सीरी में धन्वंतरि जयंती पर
9वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार तथा सीएसआईआर मुख्यालय के निर्देशानुसार सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में 29 अक्टूबर को 9वाँ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस गरिमामयी ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। संस्थान के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक सहित श्री जय प्रकाश इंदौरा, वित्त एवं लेखा नियंत्रक; जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक; वरिष्ठ वैज्ञानिकगण एवं अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने सभागार में उपस्थित सहकर्मियों को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की बधाई दी। अपने अध्यक्षीय संबोधन में विश्व में आयुर्वेद के बढ़ते प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान भारतवासियों द्वारा उपयोग में लाई गई आयुर्वेदिक दवाओं एवं आयुर्वेद पर आधारित देसी नुस्खों के लाभों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान इस चिकित्सा पद्धति का लोहा पूरे विश्व ने माना जिसके कारण उस महामारी में हमारे देश में कोविड से हुई मृत्यु दर पूरे विश्व में सबसे कम रही। डॉ पंचारिया ने बताया कि आज भी हमारे देश के परिवारों की रसोई में देसी नुस्खों के रूप में आयुर्वेद मौजूद है।

'दैनिक जीवन में आयुर्वेद की उपयोगिता एवं लाभ' विषयक व्याख्यान देते हुए श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

इस अवसर पर **श्री जय शंकर शरण,** प्रशासन नियंत्रक ने आयुर्वेद पर आधारित व्याख्यान दिया। **'दैनिक जीवन में आयुर्वेद की उपयोगिता एवं लाभ'** विषयक अपने व्याख्यान में उन्होंने आयुष मंत्रालय द्वारा जारी **ई आयुर्वेद-किट** के प्रमुख बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की। अपने सारगर्भित व्याख्यान के दौरान उन्होंने बताया कि भारत सरकार के प्रयासों से विश्व में आयुर्वेद दिनों-दिन लोकप्रिय हो रहा है। श्री शरण ने कहा कि गतवर्ष भारत सरकार के प्रयासों से विश्व के 112 देशों में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

किया गया तथा इस वर्ष भारत सरकार ने 150 देशों में ऐसे कार्यक्रमों एवं अन्य माध्यमों से हमारी इस चिकित्सा पद्धति के व्यापक प्रचार-प्रसार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक

अंत में डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस पद्धति के दुष्प्रभाव न होने के कारण यह दिन-प्रतिदिन लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने आयुर्वेद के विरुद्ध हो रहे दुष्प्रचार से सावधान रहते हुए चिकित्सक की सलाह से ही उपचार लेने का परामर्श दिया।

कार्यक्रम संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए **श्री रमेश बौरा,** वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने आयुर्वेद दिवस की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि की जयंती (धनतेरस) के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भारत सरकार ने 'वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार' थीम निर्धारित की है। इसका उद्देश्य जन भागीदारी, जन संदेश तथा जन आंदोलन के माध्यम से प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुँचाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव के अंतर्गत 19 अक्टूबर, 2024 को आयोजित आचुर्वेद चिकित्सा शिविर का दृश्य

उल्लेखनीय है कि विगत 19 अक्टूबर, 2024 को भी राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की शृंखला में संस्थान में राजकीय आयुर्वेद विभाग, झुंझुनूँ के सहयोग से आयुर्वेद चिकित्सा शिविर एवं औषधि वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था जिसमें विभाग के उपनिदेशक डॉ रमेश कुमार शर्मा एवं उनकी टीम ने संस्थान के सहकर्मियों, कॉलोनीवासियों एवं उनके परिजनों को चिकित्सा परामर्श दिया एवं औषधियाँ वितरित की।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

पृष्ठ 14 वर्ष 16 मूल्य 2.00 रुपए अंक 81 | जयपुर, गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

दैनिक मृदुल पत्रिका | राजस्थान | गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 | http://mridulpatrika.com | 11

प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने दैनिक जीवन में आयुर्वेद पर दिया व्याख्यान

कोविड के दौरान आयुर्वेद का लोहा पूरे विश्व ने माना: डॉ पीसी पंचारिया

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/मृदुल पत्रिका)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में 29 अक्टूबर को 9वाँ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस गरिमामयी ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ पंचारिया ने विश्व में आयुर्वेद के बढ़ते प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान भारतवासियों द्वारा उपयोग में लाई गई आयुर्वेदिक दवाओं एवं आयुर्वेद पर आधारित देसी नुस्खों के लाभों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान इस चिकित्सा पद्धति का लोहा पूरे विश्व ने माना जिसके कारण उस महामारी में हमारे देश में कोविड से हुई मृत्यु दर पूरे विश्व में सबसे कम रही। डॉ पंचारिया ने बताया कि आज भी हमारे देश के परिवारों की रसोई में देसी नुस्खों के रूप में आयुर्वेद मौजूद है।

इस अवसर पर श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक ने आयुर्वेद पर आधारित व्याख्यान दिया। 'दैनिक जीवन में आयुर्वेद की उपयोगिता एवं लाभ' विषयक अपने व्याख्यान में उन्होंने आयुष मंत्रालय द्वारा जारी ई आयुर्वेद-किट के प्रमुख बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा कि गतवर्ष भारत सरकार के प्रयासों से विश्व के 112 देशों में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष भारत सरकार ने 150 देशों में ऐसे कार्यक्रमों एवं अन्य माध्यमों से हमारी इस चिकित्सा पद्धति के व्यापक प्रचार-प्रसार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने आयुर्वेद दिवस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि की जयंती (धनतेरस) के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भारत सरकार ने वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार थीम निर्धारित की है।

अंत में डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस पद्धति के दुष्प्रभाव न होने के कारण यह दिन-प्रतिदिन लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने उन्होंने आयुर्वेद के विरुद्ध हो रहे दुष्प्रचार से सावधान रहते हुए चिकित्सक की सलाह से ही उपचार लेने कर परामर्श दिया।

इस अवसर पर वित्त एवं लेखा नियंत्रक जय प्रकाश इंदौरा, प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण, मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।